# जीतनगर पंचायत में वित्तीय घोटाले से मचा हड़कंप

## 10 .66 लाख की वसूली की तैयारी, सरपंच-सचिव समेत चार पर गिरी गाज

नवभारत न्यूज

**मैहर 14 मई, मैहर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत जीतनगर में मुख्यमंत्री अधोसंरचना मद की राशि को लेकर बड़ा वित्तीय घोटाला सामने आने के बाद पंचायत व्यवस्था में हड़कंप मच गया है।**

जिला पंचायत सतना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विहित प्राधिकारी ने गंभीर अनियमितताओं के आरोप में सरपंच, सचिव सहित चार जिम्मेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। मामला उस समय गरमाया जब जिला पंचायत सदस्य वार्ड क्रमांक 10 के द्वारा शिकायत कर आरोप लगाया गया कि वर्ष 2024-25 में डैम निर्माण कार्य के लिए 11.84

लाख रुपये की स्वीकृति मिली थी और शासन से पहली किस्त के रूप में 4 लाख रुपये जारी भी हुए। बाद में शासन के आदेश से डैम निर्माण की जगह उचित मूल्य दुकान निर्माण की संशोधित स्वीकृति दी गई, लेकिन खेल यहीं से शुरू हो गया।

**सरपंच, सचिव को नोटिस जारी**- ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत ने राशि तो निकाल ली, लेकिन आज तक धरातल पर कोई निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ। इससे भी बड़ा सवाल यह कि 2 जुलाई 2025 को पंचायत को 10.66 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि भी जारी कर दी गई। अब जिला पंचायत ने इस पूरे मामले को शासकीय राशि के दुरुपयोग और गंभीर वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में मानते हुए सहायक यंत्री परितोष सिह, उपयंत्री अजय अर्खेल, सरपंच आशा कोल और सचिव श्यामलाल कुशवाहा को नोटिस जारी किया है। नोटिस में साफ कहा गया है कि संबंधितों के खिलाफ मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 92 के तहत कार्रवाई करते हुए 10.66 लाख रुपये की वसूली प्रस्तावित है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि तय तिथि पर जवाब और साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए तो एक पक्षीय कार्रवाई कर दी जाएगी। गांव में अब चर्चा यह है कि आखिर बिना निर्माण कार्य के लाखों रुपये कैसे निकल गए? क्या पंचायत में फाइलों पर विकास और जमीन पर सन्नाटा का खेल चल रहा था?स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर निष्पक्ष जांच हुई तो सिर्फ जीतनगर ही नहीं, कई पंचायतों के कागजी विकास मॉडल की परतें खुल सकती हैं। अब सबसे बड़ा सवाल—क्या यह सिर्फ नोटिस तक सीमित रहेगा या वास्तव में सरकारी राशि की वसूली और दोषियों पर क?ी कार्रवाई होगी? या फिर पंचायतों में भ्रष्टाचार का यह खेल हमेशा की तरह फाइलों में दबा दिया जाएगा।

### नायब तहसीलदार रोशनलाल रावत हटाए गए

**मैहर।** सीमांकन सहित अन्य राजस्व प्रकरणों में लगातार हीलाहवाली और शिकायतों के बाद कलेक्टर मैहर ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाते हुए झिन्ना में पदस्थ नायब तहसीलदार रोशनलाल रावत को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। उन्हें ब?वार भेजा गया है, जबकि ब?वार से ललित कुमार धर्वे को झिन्ना पदस्थ किया गया है। वहीं सीमांकन प्रकरण में गंभीर ग?ब?ी सामने आने पर राजस्व निरीक्षक (आरआई) निर्भय सिह को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। सूत्रों के अनुसार मामले की जांच जारी है और आरआई पर निलंबन की तलवार भी लटक रही है। कलेक्टर की इस कार्रवाई से राजस्व अमले में हड़कंप मच गया है। माना जा रहा है कि लंबित सीमांकन और राजस्व मामलों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों पर आगे भी कार्रवाई जारी रह सकती है।

# अज्ञात चोरों ने गाड़ी से पार किए सवा लाख रुपए

नवभारत न्यूज

**अमरपाटन 14 मई, सावधान यदि आप बैंक से पैसा निकाल रहे हैं तो आप सावधान रहिए क्योंकि आपके आगे पीछे जो मौजूद है जरूरी नहीं कि वह आपके जैसे बैंक का ग्राहक हो पैसा गिनकर निश्चिंत होकर बैंक से बाहर आप समान रूप से चलते हैं आपका पीछा किया जाता है आपने थोड़ी भी लापरवाही की तो आपका पैसा चंद मिनट में पर हो जाएगा यह आपका पीछा जब तक करेंगे जब तक यह आपका पैसा लूट न लें इसके लिए यह आपकी जान भी ले सकते हैं।**

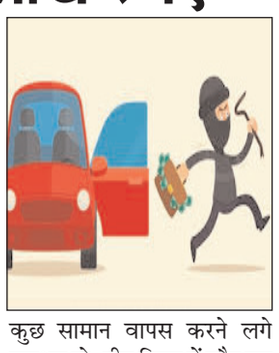

अमरपाटन में ऐसी कई घटनाएं हो चुकी है जिसमें बैंक से पैसा निकालने वाले से पैसा लूट लिया गया। इन घटनाओं का पुलिस द्वारा आज तक पर्दाफाश नहीं किया जा सका। आए दिन हो रही ऐसी लूट चोरी की घटनाओं को लेकर ना पुलिस सतर्क हुई ना ही बैंक कहने को तो बैंक में बंदूक धारी गार्ड रहते हैं लेकिन ऐसा लगता है यह दिखावे के लिए है। समझ नहीं आता पुलिस द्वारा यह जो बैंक के अंदर व्यक्ति हैं पैसे के लेनदेन के लिए है या ऐसे ही लुटेरे गिरोह के व्यक्ति रेकिंग करने वाले हैं। ऐसी घटनाएं आए दिन होने के बाद भी पुलिस नहीं जागी। इन्हीं घटनाओं के क्रम में 12 मई को दोपहर लगभग 12ः00 बजे हरदी निवासी सुखेंद्र पटेल जो अभिवक्ता हैं बैंक से 1 लाख 25 000 रुपए निकाल कर बाजार में उधारी देने के लिए आनंद किराना में गाड़ी से उतरकर कुछ सामान वापस करने लगे लगभग दो-तीन मिनट में लौट कर गाड़ी के पास आए तो पैसा गायब मिला।

घटना के संबंध में वकील साहब ने बताया कि मैंने पिछले महीने बच्चे की शादी की थी बाजार में कुछ उधारी थी इस दिन क्योंकि अधिवक्ता संघ का चुनाव था मतदान करने के बाद मेरे पास खाली समय था उसके चलते हमने इंडियन बैंक से सवा लाख रुपया निकाल कर गाड़ी में रखकर बाजार में आनंद गिरना के सामने गाड़ी खड़ी कर शादी के बाद बची शक्कर वापस करने के लिए रुका पैसा आगे वाली सीट में रखा था गाड़ी लॉक नहीं किया क्योंकि दुकान के सामने बाजार की बात थी गाड़ी से शक्कर उतार कर दुकान में सवा दो मिनट समय लगा होगा मैं वापस गाड़ी के पास आया तो देखा पैसा गायब था। पटेल जी ने बताया कि जब मैं बैंक से पैसा निकल रहा था तो एक व्यक्ति मेरे पीछे खड़ा था मैं पैसा निकाल कर जब बैंक से निकल रहा था तो भी वह व्यक्ति मेरे पीछे था मैं उसे समय ध्यान नहीं दिया बैंक के सीसी टीवी कैमरे में देखने के बाद ध्यान आया।

# फरहद ग्राम के लिए सड़क निर्माण कार्य शुरु

- गुलाब शुक्ला ने कल किया था स्थल निरीक्षण, ग्रामीणों में खुशी की लहर

नवभारत न्यूज

**कोटर 14 मई, लंबे समय से सड़क सुविधा से वंचित रहे ग्राम फरहद, सेमरी और मोहनिया क्षेत्र के लोगों के चेहरे आज खिले हुए हैं क्योंकि उनका वर्षों पुराना सपना पूरे होने की उम्मीद बढ़ी है ।**

सड़क निर्माण कार्य का प्रारंभ होने के बाद उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। बताया गया कि युवा उद्योगपति एवं समाजसेवी गुलाब शुक्ला ने बीते दिन नगर परिषद कोटर के सभापति बबलू गौतम एवं ग्राम पंचायत मोहनिया के सरपंच वेद नारायण द्विवेदी के साथ कोटर वार्ड क्रमांक-1 से फरहद, सेमरी एवं मोहनिया मार्ग का स्थल निरीक्षण और सर्वे कार्य किया था। सर्वे के अगले ही दिन सड़क निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया, जिससे ग्रामीणों में भरोसा और उत्साह दोनों बढ़ा है। ग्रामीणों के अनुसार, लगभग 75 वर्षों से ग्राम फरहद सड़क सुविधा से वंचित था। बरसात के दिनों में गांव का संपर्क आसपास के क्षेत्रों से लगभग कट जाता था, जिससे विद्यार्थियों, मरीजों और ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना

करना पड़ता था। सड़क न होने के कारण लोगों को आवागमन के लिए कठिन और जोखिम भरे रास्तों का सहारा लेना पड़ता था। निर्माण कार्य शुरू होते ही ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए गुलाब शुक्ला सहित सभी का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कहा कि वर्षों से चली आ रही बड़ी समस्या का समाधान अब धरातल पर दिखाई देने लगा है। इस अवसर पर गुलाब शुक्ला ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों का विकास और लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि क्षेत्र के विकास को भी नई गति मिलेगी। स्थानीय लोगों ने इसे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि यह सड़क आने वाले समय में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेगी।

# बरौंधा गेहूं खरीदी केंद्र में भारी अव्यवस्था के आरोप

- एक दूसरे पर लग रहे गंभीर आरोप

नवभारत न्यूज

**मझगवां 14 मई, मझगवां विकासखंड अंतर्गत गेहूं खरीदी केंद्र बरौंधा में किसानों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। कई किसानों का आरोप है कि हफ्तों से केंद्र में खड़े रहने के बावजूद उनकी फसल नहीं तौली जा रही। पूंछने पर कारण बताया जा रहा है कि लेबर नहीं है।**

मौके पर जाकर देखा गया तो करीब 5000 कुंटल गेहूं खुले आसमान के नीचे पड़ा मिला। ना गेहूं का चट्टा

लगाया गया, ना तिरपाल की व्यवस्था की गई। परिसर पूरी तरह भरा हुआ है और वहां मजदूर भी नजर नहीं आए।

अब बड़ा सवाल यह है कि यदि खरीदी केंद्र में मजदूर नहीं हैं तो यह प्रबंधन की लापरवाही है या प्रशासन की विफलता ? जब सरकार खरीदी केंद्रों में मजदूर, तिरपाल और व्यवस्थाओं के लिए भारी बजट देती है, तो फिर किसानों का अनाज बारिश और अव्यवस्था के भरोसे क्यों छोड़ा गया है ? सप्लायर से बातचीत में भी बड़ा खुलासा हुआ है उनका कहना है कि हम गाड़ियां भेजने को तैयार हैं, लेकिन केंद्र प्रबंधन खुद कहता है कि यहां लेबर नहीं है, ऐसे में गाड़ी भेजकर क्या करेंगे ? लेकिन समिति प्रबंधक का कहना आपने वीडियो मे उल्टा प्रशासन और सरकार पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं।अब सवालों की पूरी श्रृंखला खड़ी हो गई है. आखिर खरीदी व्यवस्था कौन संभाल रहा है ? किसानों की फसल समय पर क्यों नहीं तोली जा रही ? हजारों कुंटल गेहूं खुले में क्यों पड़ा है ? कहीं पोर्टल पर फर्जी खरीदी दिखाने का खेल तो नहीं चल रहा ? प्रशासन और खरीदी केंद्र प्रबंधन में जिम्मेदारी कौन लेगा ? यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो बारिश में किसानों की मेहनत मिट्टी में मिल सकती है।

### जल संकट से परेशान ग्रामवासी कलेक्टर को देंगे ज्ञापन

**रामनगर 14 मई,** मैहर जिले के तहसील रामनगर के बड़वार सांदा धनवाही के रहवासी पानी के लिए, तीन महीने से हों रहें परेशान इस भीषण गर्मी जल संकट की मार झेल रहे रहवासी, जल निगम के कर्मचारियों की मनमानी चरम पर बता दें कि बड़वार सादा में आज तीन महीने से जल निगम के कर्मचारियों द्वारा पानी नहीं दिया जा रहा,रहबासियो द्वारा सीएम हेल्पलाइन में कई वार शिकायत की गई लेकिन आज दिनांक तक कार्यवाही के नाम पर मिल रही धमकी,सीएम हेल्पलाइन कटवाने की जवकि आज तीन महीने वीत रहे हैं पीने के लिए पानी को रहवासी परेशान हैं,तो भी नल जल योजना के कर्मचारी द्वारा कोई निदान नही किया जा रहा, रहवासियों का कहना है कि,अगर जल्द से जल्द कार्रवाई नहीं हुई तों मैहर कलेक्टर को ज्ञापन दिया जाएगा।

# नवनियुक्त कांग्रेस नगर अध्यक्ष का जगह जगह हुआ स्वागत

नवभारत न्यूज

**नागौद 14 मई, कांग्रेस के नागौद नगर के नवनियुक्त अध्यक्ष मुखतार अहमद सिद्दीकी का बस स्टैंड ,पीपल चौराहे मंसूरी मोहल्ला आदि जगह जगह ढोल नगाड़े पटाखे फोड़कर अजगर माला और शाल श्रीफल साफा पहना कर सम्मान किया गया।**

संगठन मंत्री नागेश मिश्रा, ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र सिंह परिहार ,जिला अध्यक्ष फिरोज आलम पार्षद राहुल सोनी पार्षद बाबूलाल चूहतेल सदर अलीम मंसूरी जमाल मंसूरी चांद खा धर्मेंद्र रजक मीडिया समीम इस्ताक मंसूरी राहुल सोनी ताहां राजा मोहसिन सिद्दीकी सनी इरशाद साहिल सज्जू आसिफ समीर सै अंटू सलमान अवाल कैफ नवाब तंजील कल्लू जडेजा त्वरेज रहीश मोनू राजेश साहू बंटा आदि उपस्थित रहे।

# मां शारदा रोपवे में बड़ा खेल होने की आंशका

## एसडीएम ने उठाए सख्त कदम दामोदर रोपवे को भेजा नोटिस

नवभारत न्यूज

**मैहर 14 मई, मां शारदा मंदिर में संचालित रोपवे सेवा एक बार फिर विवादों में आ गई है। दामोदर रोपवे प्रबंधन पर लेन-देन में भारी अनियमितता और सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने की आशंका के बीच प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है।**

एसडीएम एवं शारदा प्रबंध समिति की प्रशासक दिव्या पटेल ने कंपनी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जानकारी के मुताबिक रोपवे संचालन से जुड़े वित्तीय रिकॉर्ड और जमा राशि में गड़बड़ी सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आया। मामले को गंभीर मानते हुए रोपवे

प्रबंधन को पूरी वित्तीय जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही पारदर्शिता बनाए रखने के लिए एस्क्रो अकाउंट खुलवाने के आदेश भी जारी किए गए हैं। सूत्रों की मानें तो लंबे समय से आय और जमा राशि के आंकड़ों में अंतर की शिकायतें मिल रही थीं। अब प्रशासनिक जांच शुरू होने से रोपवे प्रबंधन में हड़कंप मच गया है। यदि जांच में अनियमितता साबित होती है तो कंपनी पर बड़ी कार्रवाई तय मानी जा रही है।

# जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की हुई समीक्षा

नवभारत न्यूज

**सतना 14 मई, जनपद पंचायत उचेहरा के सभागार में गुरुवार को जनपद सीईओ ओपी अस्थाना ने समस्त पीसीओ, उपयंत्री,ग्राम पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायकों की बैठक ली ।जिसमें जनपद सीईओ ओपी अस्थाना ने शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की।**

इसमें मुख्य रूप से एक बगिया मां के नाम, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन,श्रमिकों की इकवाईसी और मुख्यमंत्री सीएम हेल्पलाइन शामिल रहीं।बैठक में सीईओ ओपी अस्थाना ने कहा, शासन की मंशा है कि अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक

योजनाओं का लाभ पहुंचे। इसमें किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। काम में लापरवाही करने वाले कर्मचारियों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। इस दौरान जनपद बीपीओ प्रभारी शंकर गुप्ता,पीसीओ रजनीश जैसवाल, अभिमन्यु गौतम,इंजीनियर राकेश ताम्रकार, दीपक सिंह ,राजकुमार पाण्डेय,बीसी अगम दास पटेल,लक्ष्मीकांत तिवारी,भोला प्रसाद गुप्ता,प्रेमलाल साकेत,पंचायत सचिव तरुण मिश्रा,अरविंद तिवारी,राकेश सिंह,दीपक ज्योति सेन,पूजा गौतम,रूबी सिंह सीलम सिंह,अमित बर्मा,मनोज सिंह,राममिलन सेन,राजकुमार तंतुवाय ,मोहम्मद रहीश, विनय तिवारी,पंकज पांडेय,सोमचंद सेन, ब्रजेश तिवारी, सोनू पांडेय,आराधना सिंह,मनीषा सिंह सहित 100 से अधिक कर्मचारी मौजूद रहे।

# महिला आरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री को भेजा पोस्ट कार्ड

नवभारत न्यूज

**कोठी 14 मई,** रैगांव विधानसभा की नेत्री एवं मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की प्रदेश सचिव श्रीमती प्रभा जित्तू बागरी के नेतृत्व में आज कोठी के पोस्ट ऑफिस में पहुंच कर महिला कांग्रेस की पदाधिकारियों एवं अन्य महिला कार्यकर्ताओं ने पोस्टकार्ड के माध्यम से महिलाओं को 33 प्र. आरक्षण आज तुरंत लागू करने मांग का पोस्ट कार्ड प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम भेजा।

पोस्ट कार्ड में यह भी कहा कि यदि सरकार महिला हितैषी होने की बात करती है और महिला सशक्तिकरण को सही तरीके से लागू करना चाहती है तो वह वर्तमान मौजूदा हालात में ही जो संसद में विधायक सांसद मौजूद हैं उस पर ही 33 परसेंट आरक्षण तुरंत लागू करें अन्यथा

ढोंग करना बंद करें इस दौरान रश्मि सिंह , सरला गर्ग, राखी सिंह,कल्पना गर्ग ,अरुणा सिंह बघेल , यानादेवी पांडे ,मधु सिंह चंदेल, रीता मिश्रा सहित अन्य महिलाएं मौजूद रहीं।

### शवदाह गृह का हुआ भूमिपूजन

**कोटर।** आज नगर परिषद कोटर के वार्ड नं 02 में शवदाह गृह का भूमिपूजन किया गया जिसमें मुख्य नगरपालिका अधिकारी डॉ पूजा द्विवेदी ,नगर परिषद कोटर अध्यक्ष राजमणि सिंह, उपाध्यक्ष प्रभाकर

तिवारी, सभापति बबलू गौतम, सतीश साहू, पार्षद पंकज कुशवाहा, आंनद पाठक, राजमन कोल, केपी चौधरी, पार्षद कुंजी लाल, पिंटू शुक्ला, राजेंद्र कुशवाहा और वार्ड के सभी जनसमुदाय उपस्थित रहे।

# पक्षियों के लिए एस डी एम न्यायालय में पानी

नवभारत न्यूज

**उचेहरा 14 मई,** बढ़ती गर्मी को दखते हुये प्यासे परिंदो को पीने के लिए पानी की एस डी एम न्यायालय में सुविधा न्यायालय के रीडर जितेंद्र गुप्ता द्वारा की गई इसके कुछ दिन पूर्व और मिट्टी के सकोरा ( पानी के पात्र) लगाये गए थे निश्चय ही अनुविभागीय न्यायालय की यह सराहनीय पहल मानी जा रही है । अगर समाज सेवियों द्वारा इस पहल पर अमल किया जाय तो प्यासे परिंदो ,जानवरो को गर्मी में पानी सहज रूप से मिल सकता है । इस मौके पर पत्रकार अशोक ताम्रकार सहित कई समाज सेवी मौजूद रहे ।

# ग्रामोदय विवि की शोध छात्रा प्रियदर्शिका रानी राज्य पात्रता परीक्षा में सफल

नवभारत न्यूज

**चित्रकूट, 14 मई ।महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की वनस्पति विज्ञान विषय की शोध छात्रा प्रियदर्शिका रानी ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य पात्रता परीक्षा-2025 ( एमपी सेट ) में लाइफ साइंस विषय में सफलता प्राप्त किया है।**

विश्वविद्यालय की उप कुलसचिव ( अकादमी) एवं ऊर्जा और पर्यावरण विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. साधना चौरसिया ने शोध छात्रा की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि प्रियदर्शिका रानी ने इसी विश्वविद्यालय से एमएससी (बॉटनी) की शिक्षा प्राप्त की थी तथा वर्तमान में उनके शोध निर्देशन में वनस्पति विज्ञान विषय में पीएचडी

पाठ्यक्रम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि राज्य स्तरीय पात्रता परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाली प्रियदर्शिका रानी की बड़ी बहन दिग्दर्शिका रानी भी पर्यावरण विज्ञान विषय में इसी विश्वविद्यालय से पीएचडी कर रही हैं। इनके पिता डॉ. विश्वेश दुबे, निवासी प्रतापगढ़, वर्तमान में जगतगुरु रामभद्राचार्य शासकीय दिव्यांग विश्वविद्यालय में प्राध्यापक एवं एजुकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष हैं। विश्वविद्यालय परिवार ने प्रियदर्शिका रानी की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

# श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट की शीतल धारा से मिली थी हनुमान को लंका

## दहन के तपन से मुक्ति-हनुमान धारा के रूप में समूचे विश्व में विख्यात है चित्रकूट का यह पावन धाम-अविरल धारा के शीतल जल के सेवन में मिलती है कई असाध्य रोगों से निजात

अमर सिंहरा ठौर

**चित्रकूट 14 मई, विंध्य पर्वत श्रृंखला के मध्य स्थित विश्व प्रसिद्ध पौराणिक तीर्थ चित्रकूट के प्रमुख स्थल 'हनुमान धारा' का धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से विशेष महत्व है।**

पहाड के शिखर पर स्थित इस पावन धाम से निकली अविरल जलधार से असुरराज रावण की सोने की लंका का दहन करने वाले राम भक्त हनुमान को तपन से मुक्ति मिली थी। देश-दुनिया में हनुमान धारा के नाम से विख्यात प्राचीन धाम के दर्शन के लिए प्रतिमाह लाखों श्रद्धालुओं का जमावडा लगता है। आदितीर्थ के रूप में समूचे विश्व में विख्यात भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट की महिमा का गुणगान स्वयं संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरित मानस में किया है। ''चित्रकूट निश दिन बसत प्रभु सिय लखन समेत।'' चैपाई के माध्यम से गोस्वामी तुलसीदास जी ने बताया है कि चित्रकूट ही सृष्टि का एक मात्र ऐसा पावन धाम है जहां पर प्रभु श्रीराम,माता सीता और लखन के साथ नित्य निवास करते हैं। इस पावन भूमि से भक्त हनुमान का भी गहरा सम्बंध है। विंध्य पर्वत श्रृंखला के मध्य बसे चित्रकूट के हनुमान धारा में ही राम भक्त हनुमान जी को वह सुख और शांति मिली थी जो पूरे ब्राह्मांड में हासिल नहीं हुई। इस पवित तीर्थ स्थल को लेकर किवदंती है कि जब लंका दहन में हनुमान जी भगवान का पूरा शरीर तप गया था। लंका विजय के बाद हनुमान जी ने अपने आराध्य प्रभु

श्रीराम से शरीर के तपन को शांत करने का उपाय पूछा। तब प्रभु श्रीराम ने उन्हें उपाय बताया कि विंध्य पर्वत पर जाएं। जहां पर आदिकाल के ऋषि-मुनियों ने तप किया था। उस पवित्र भूमि की प्राकृतिक सुषमा से युक्त स्थान पर जाकर तप करो। हनुमान जी ने चित्रकूट आकर विंध्य पर्वत श्रृंखला की एक पहाड़ी में श्री राम रक्षा स्त्रोत का पाठ 1008 बार किया। जैसे ही उनका अनुष्ठान पूरा हुआ ऊपर से एक जल की धारा प्रकट हो गयी। जलधारा शरीर में पड़ते ही हनुमान जी के शरीर कीतपन शांत हुई और शीतलता की प्राप्त हुई। आज भी यहां वह जल धारा के निरंतर गिरती है। इसी वजह से पूरे देश में इस पावनधाम को 'हनुमान धारा' के रूप में जाना जाता है। इस पवित्र स्थल की महिमा का बखान करते हुए कामदगिरि प्रमुख द्वार के महंत मदन गोपालदास महाराज,भागवताचार्य आचार्य नवलेष दीक्षित एवं गायत्री शक्तिपीठ के व्यवस्थापक डा0रामनारायण त्रिपाठी कहते है कि धर्म नगरी चित्रकूट के कण-कण में भगवान श्रीराम का वास है। देश के अन्य तीर्थों में तो प्रभु कुछ क्षण ही रहे होगें लेकिन चित्रकूट ही एक मात्र ऐसा पावन तीर्थ है, जहां भगवान श्रीराम माता सीता और अनुज लखन के साथ साढे 11 वर्षो तक निवास किया था। इसी पावन भूमि पर स्थित हनुमान धारा पर लंका का दहन करने वाले रामभक्त हनुमान के शरीर का पतन शांत हुआ था। इस तीर्थ स्थल में विद्यमान हनुमान जी की विशाल मूर्ति पर लगातार गिरने वाली शीतल जलधारा हो देखने एवं पूजन-अर्चन के लिए हनुमान जयंती आदि पर्वो के साथ-साथ हर महीनें देश भर से लाखों श्रद्धालुओं का जमावडा लगता है। भरत मंदिर के महंत दिव्य जीवन दास महाराज ने चित्रकूट में पहाड के शिखर पर प्रकटी शीतल जल धारा की महिमा का बखान करते हुए कहते है कि इस पर्वत से निकलने वाली धारा की अलग ही विशेषता है। बताया कि प्राचीन मान्यता है कि इसके जल से स्नान करने से चर्म रोग का समन होने के साथ-साथ पेट सम्बंधी रोग खत्म हो जाते हैं। इसी वजह से देश भर से आने वाले श्रद्धालु हनुमान धारा के पवित्र जल को ले जाना नहीं भूलते। ऊंची पहाड़ी पर स्थित हनुमान धारा में पहुंचने के लिए पहले श्रद्धालुओं को 360 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती है। लेकिन अब रोपवे का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद श्रद्धालुओं को खासी राहत मिल गई है।